TEACHERS OF BIHAR

दैनिक ज्ञानकोश

सीखें-सिखाएं, बिहार को आगे बढ़ायें

teachersofbihar@gmail.com
https://twitter.com/teachersofbihar
https://www.youtube.com/c/teachersofbihar
https://www.facebook.com/teachersofbihar
https://www.linkedin.com/company/teachersofbihar
www.teachersofbihar.org

2024

Teachers of Bihar

The change makers

दिवस ज्ञान

शशिधर उज्जवल

07 मई

1. **रविन्द्रनाथ टैगोर का जन्म–** सुप्रसिद्ध साहित्यकार, कवि और लेखक गुरूदेव रविन्द्रनाथ टैगोर का जन्म 7 मई, 1861 ई. को कलकत्ता में हुआ था। इनकी सबसे प्रसिद्ध रचना 'गीतांजलि' है जिसके लिये इन्हें सन् 1913 में साहित्य का नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इन्होंने शांतिनिकेतन में 'विश्वभारती' की स्थापना की। भारत के राष्ट्रगान 'जन–गन–मन' के रचनाकार भी रविन्द्रनाथ टैगोर ही हैं। रवीन्द्रनाथ के सम्मान में कई देशों ने डाक टिकट भी जारी किये हैं।
   - **संदर्भ:** बच्चों को इतिहास की पाठ्यपुस्तक **'अतीत से वर्तमान भाग 3,' अध्याय 7** के अनुच्छेद 'टैगोर का शांति निकेतन' से जोड़कर चर्चा करें।
2. **सीमा सड़क संगठन की स्थापना–** 7 मई 1960ई. को **सीमा सड़क संगठन की स्थापना** की गई थी। इसका उद्देश्य भारत के सीमावर्ती तथा दुर्गम पहाड़ी–पर्वतीय क्षेत्रों में सड़क मार्ग का निर्माण एवं मरम्मत कार्य करना है। ऐसे क्षेत्रों जहाँ भू–स्खलन अथवा ऊँचाई के कारण अन्य कम्पनियां हार मान लेती है वहाँ सीमा सड़क संगठन कार्य करती है।

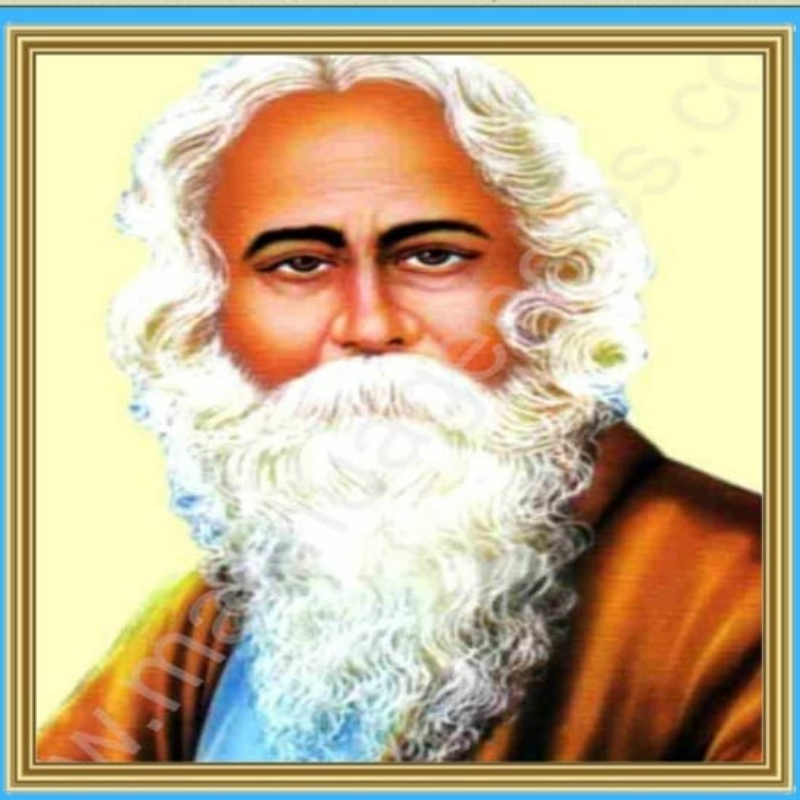

Tuesday

/teachersofbihar

Madhu priya

Teachers of Bihar

The change makers

दिवस विशेष

7मई

मधु प्रिया

रबीन्द्रनाथ टैगोर का जन्म 7 मई

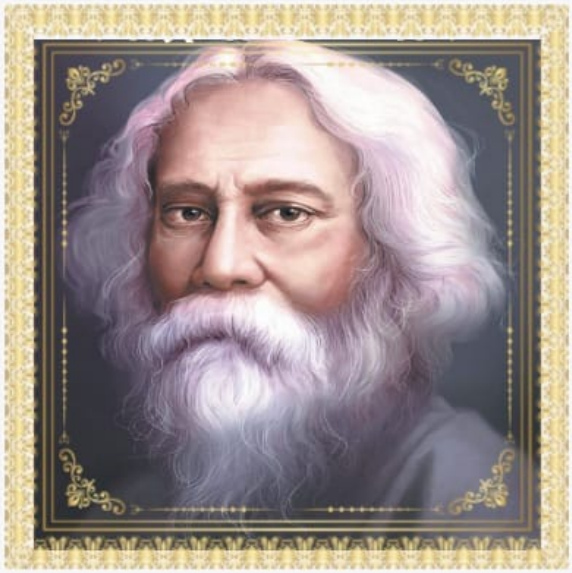

रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविख्यात कवि, साहित्यकार, दार्शनिक और भारतीय साहित्य के नोबल पुरस्कार विजेता हैं। उन्हें गुरुदेव के नाम से भी जाना जाता है। रबीन्द्रनाथ टैगोर का जन्म 7 मई 1861 को कोलकाता के जोड़ासाँको ठाकुरबाड़ी में हुआ था।बांग्ला साहित्य के माध्यम से भारतीय सांस्कृतिक चेतना में नयी जान फूँकने वाले युगदृष्टा थे। वे एशिया के प्रथम नोबेल पुरस्कार सम्मानित व्यक्ति हैं। वे एकमात्र कवि हैं जिसकी दो रचनाएँ दो देशों का राष्ट्रगान बनीं - भारत का राष्ट्र-गान 'जन गण मन' और बाँग्लादेश का राष्ट्रीय गान 'आमार सोनार बांङ्ला' गुरुदेव की ही रचनाएँ है। उनके पिता देवेन्द्रनाथ टैगोर और माता शारदा देवी थीं। उनकी आरम्भिक शिक्षा प्रतिष्ठित सेंट जेवियर स्कूल में हुई। उन्होंने बैरिस्टर बनने की इच्छा में 1878 में इंग्लैंड के ब्रिजटोन में पब्लिक स्कूल में नाम लिखाया। फिर लन्दन विश्वविद्यालय में कानून का अध्ययन किया किन्तु 1880 में बिना डिग्री प्राप्त किए ही स्वदेश पुनः लौट आए। सन् 1883 में मृणालिनी देवी के साथ उनका विवाह हुआ।टैगोर की माता का निधन उनके बचपन में हो गया था और उनके पिता व्यापक रूप से यात्रा करने वाले व्यक्ति थे, अतः उनका लालन-पालन अधिकांशतः नौकरों द्वारा ही किया गया था। टैगोर परिवार बंगाल पुनर्जागरण के समय अग्रणी था उन्होंने साहित्यिक पत्रिकाओं का प्रकाशन किया; बंगाली और पश्चिमी शास्त्रीय संगीत एवं रंगमंच और पटकथाएं वहां नियमित रूप से प्रदर्शित हुईं थीं। रबीन्द्रनाथ के अनुसार शिक्षा पुस्तकों को रख लेना ही शिक्षा नहीं है, अपितु शिक्षा का यथार्थ अर्थ है –"जीवन का समस्त सृष्टि से सामंजस्य स्थापित करना"। शिक्षा विकास की एक प्रक्रिया है। अतः इसके माध्यम से व्यक्ति की निजी तथा सामाजिक आवश्यकताओं की पूर्ति होती है। 7 अगस्त 1941 को उन्होंने कोलकाता में अंतिम सांस ली। विश्वविख्यात महाकाव्य गीतांजलि की रचना के लिये उन्हें 1913 में साहित्य के लिए नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

जयंती विशेष 07 मई

राकेश कुमार

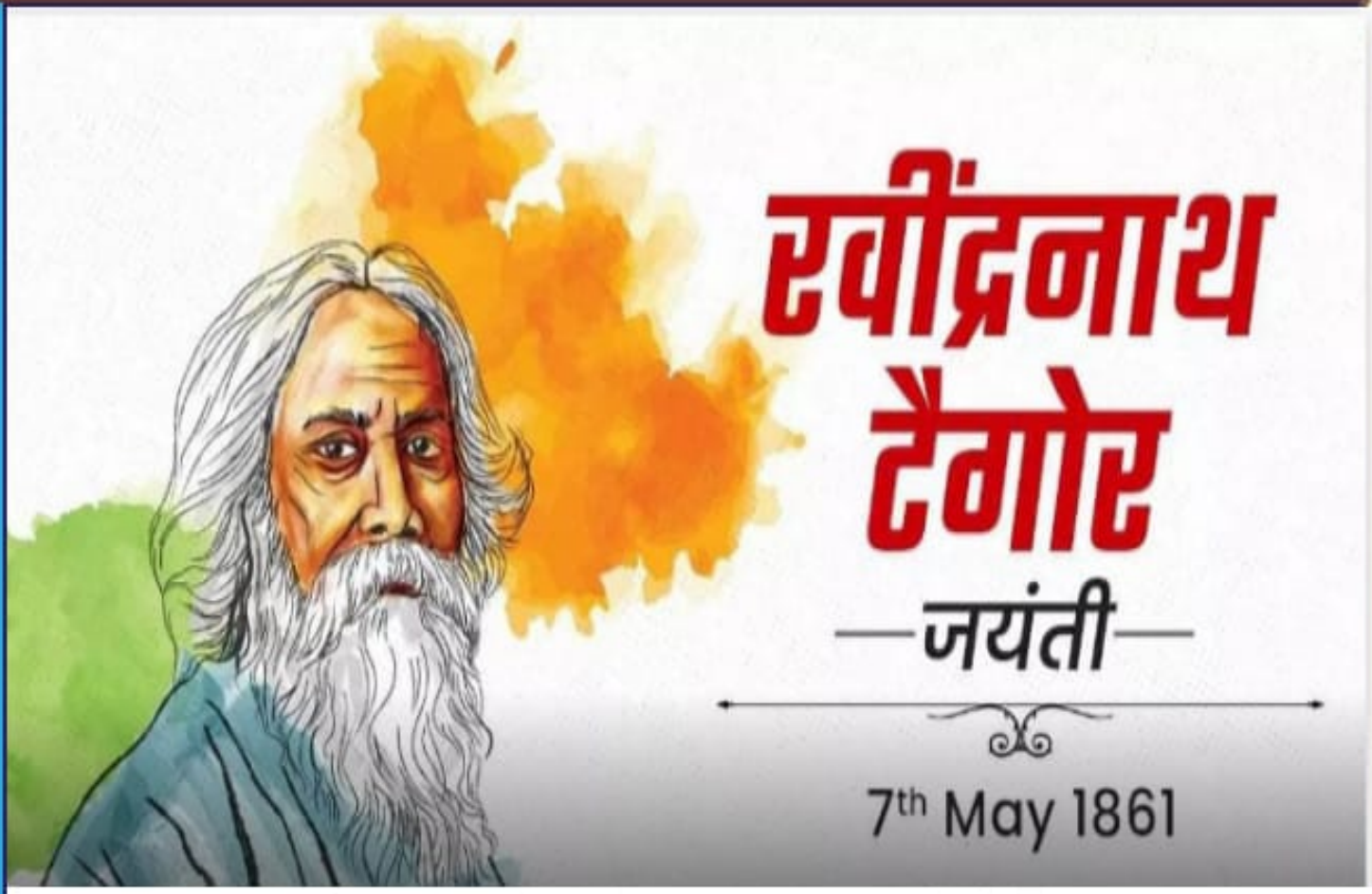

रबीन्द्रनाथ ठाकुर अथवा **रबींद्रनाथ टैगोर** *Rabindranath Thakur*, जन्म- 7 मई, 1861, कलकत्ता, पश्चिम बंगाल; मृत्यु- 7 अगस्त, 1941, कलकत्ता) एक बांग्ला कवि, कहानीकार, गीतकार, संगीतकार, नाटककार, निबंधकार और चित्रकार थे। भारतीय संस्कृति के सर्वश्रेष्ठ रूप से पश्चिमी देशों का परिचय और पश्चिमी देशों की संस्कृति से भारत का परिचय कराने में टैगोर की बड़ी भूमिका रही तथा आमतौर पर उन्हें आधुनिक भारत का असाधारण सृजनशील कलाकार माना जाता है।

शिक्षा शब्दकोश

आज का शब्द 07.05.2024

समवाय शिक्षण विधि

समवाय शिक्षण विधि साथ-साथ अर्थात् दो तत्वों का एक साथ चलना। इस विधि में सभी विधाओं का अध्ययन एक साथ कराया जाता है। इसलिए इसे सहयोग विधि भी कहते है। समवाय शिक्षण विधि में विभिन्न विषयों में निहित ज्ञान की एकता को स्पष्ट करने के लिए सहसम्बन्ध आवश्यक है।

रोचक तथ्य/सामान्य ज्ञान

Rakesh kumar

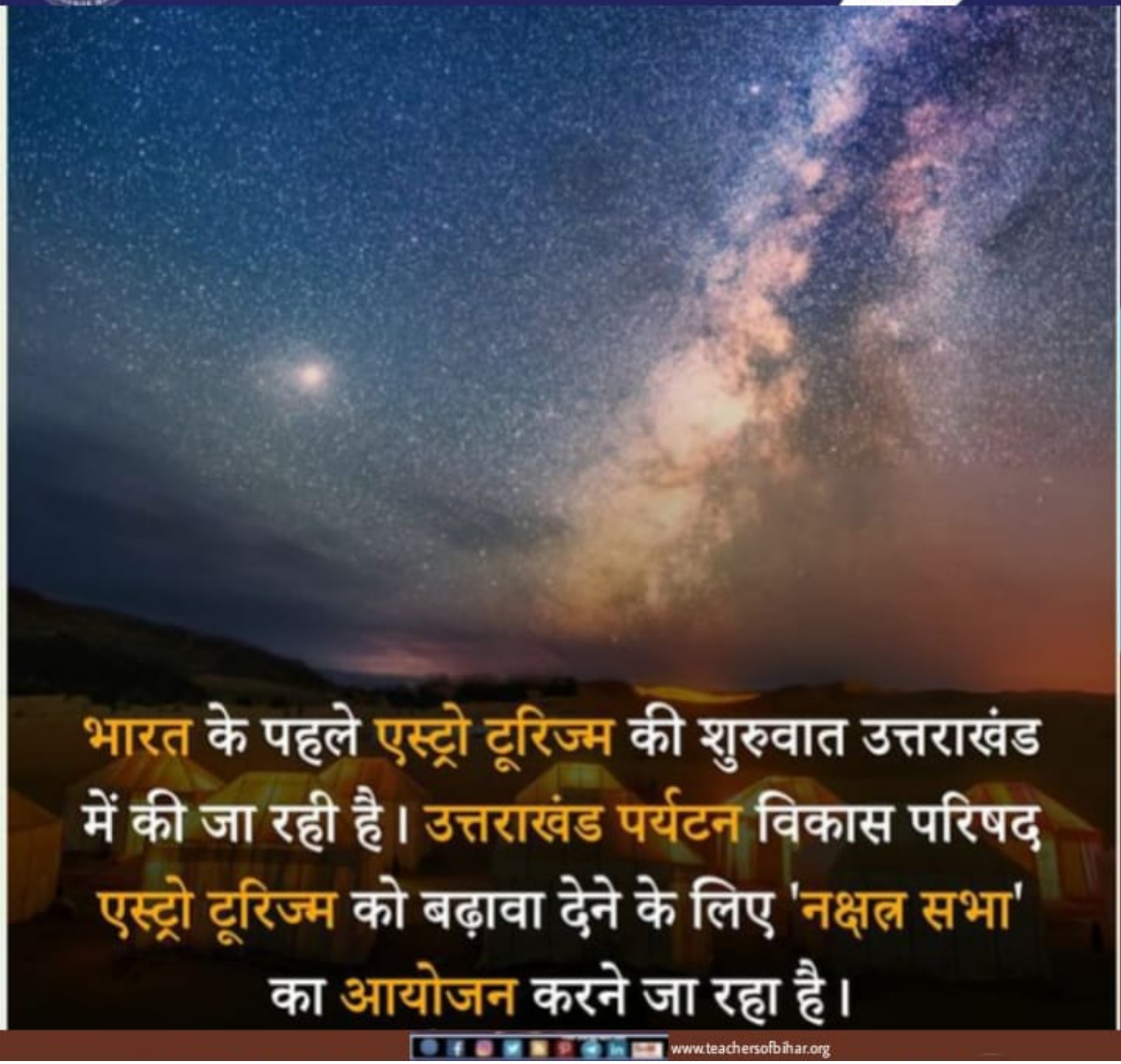

TEACHERS OF BIHAR
THE CHANGE MAKERS

QUIZ TIME

Today's Quiz

Quiz Number 379

रवींद्रनाथ टैगोर को गीतांजलि के लिए नोबेल पुरस्कार किस वर्ष मिला था ?

A. वर्ष 1916

B. वर्ष 1913

C. वर्ष 1911

D. वर्ष 1905

www.teachersofbihar.org

सही उत्तर: B

TOB बूझो तो जानें . .

395

कहलाता तो हूँ मैं चूल्हा, पर अजब है मेरा रूप,
तेल, गैस न लकड़ी माँगू, मुझे तो चाहिए धूप ....
बुझो तो जानें ?

www.teachersofbihar.org

संजय कुमार

TOB खेल कॉर्नर

राकेश कुमार

पैरालंपिक गेम्स

साल 1948 में, सर लुडविग गुट्टमन ने इंग्लैंड के स्टोक मैंडेविले में रीढ़ की हड्डी से संबंधित चोटों के साथ 16 विश्व युद्ध के दूसरे दिग्गजों को शामिल करते हुए एक खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया। चार साल बाद इसमें हॉलैंड के प्रतियोगी शामिल हुए। इस तरह इंटरनेशनल मूवमेंट, जिसे अब पैरालंपिक आंदोलन के रूप में जाना जाता है का जन्म हुआ।

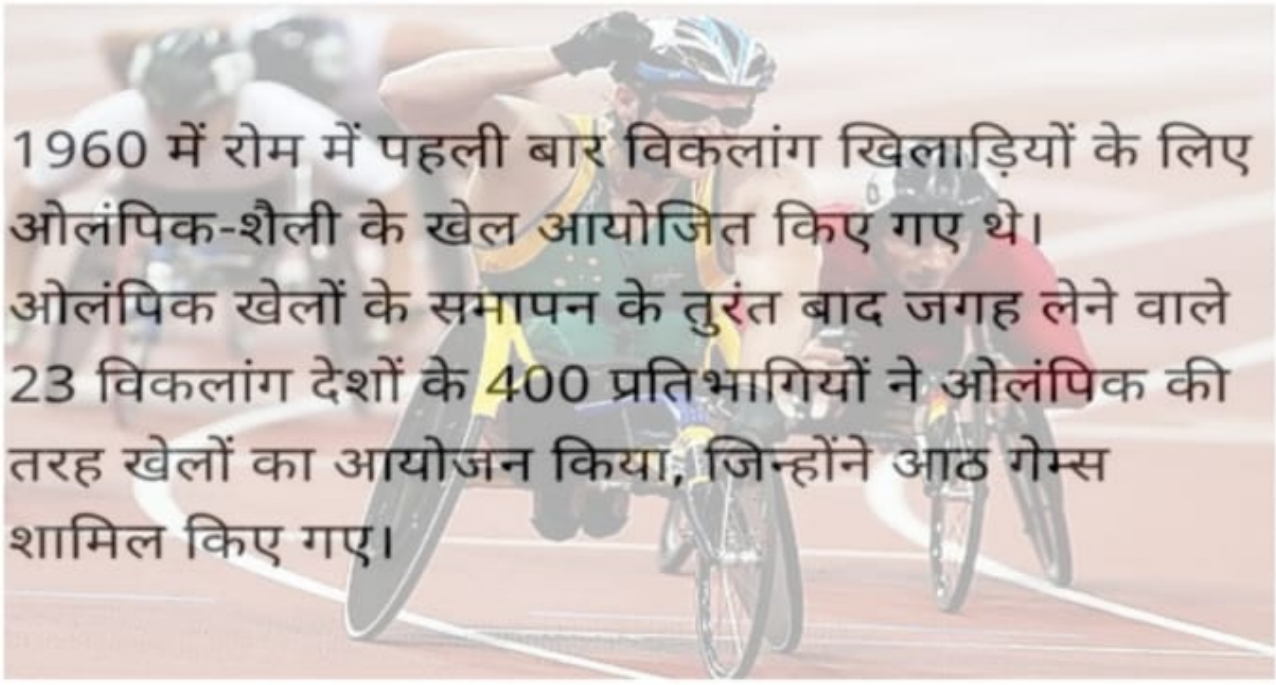

1960 में रोम में पहली बार विकलांग खिलाड़ियों के लिए ओलंपिक-शैली के खेल आयोजित किए गए थे। ओलंपिक खेलों के समापन के तुरंत बाद जगह लेने वाले 23 विकलांग देशों के 400 प्रतिभागियों ने ओलंपिक की तरह खेलों का आयोजन किया, जिन्होंने आठ गेम्स शामिल किए गए।

ओलंपिक खेलों के रूप में चार साल में एक बार पैरालंपिक खेलों को दुनिया के सबसे बड़े खेल आयोजनों में से एक में शामिल किया गया है, जिसमें सामाजिक समावेश ड्राइविंग के लिए एक ट्रैक रिकॉर्ड शामिल किए गए।

TEACHERS OF BIHAR
THE CHANGE MAKERS

भारतीय राष्ट्रगान के रचियता,
विश्वविख्यात कवि, साहित्यकार,
दार्शनिक और नोबेल पुरस्कार से
सम्मानित

रविन्द्रनाथ टैगोर

जी की जयंती पर सादर नमन।

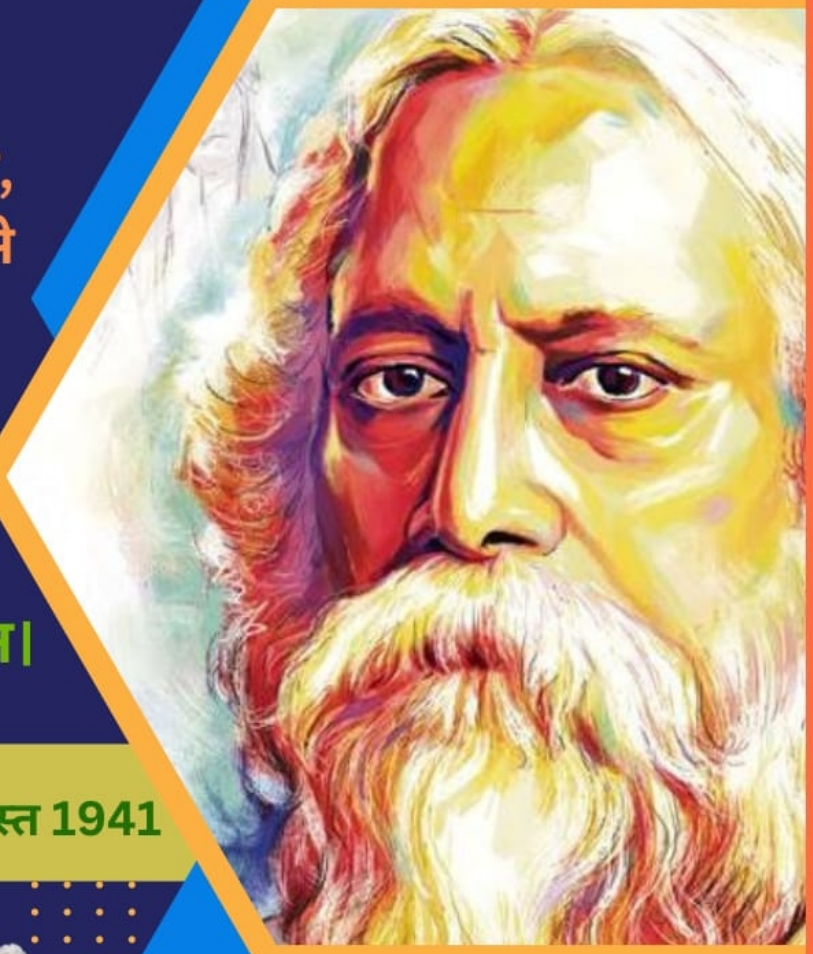

जन्म- 07 मई 1861 - मृत्यु- 07 अगस्त 1941

Madhu priya

www.teachersofbihar.org

TEACHERS OF BIHAR
THE CHANGE MAKERS

भारत के प्रथम प्रधानमन्त्री जवाहरलाल नेहरू के पिता, भारत के स्वतन्त्रता संग्राम के आरम्भिक कार्यकर्ताओं में से एक

मोतीलाल नेहरू

जी की जयंती पर सादर नमन।

जन्म: 6 मई 1861 - मृत्यु: 6 फरवरी 1931

मधु प्रिया

www.teachersofbihar.org

26 अप्रैल 2024

सत्य नारायण साह

www.teachersofbihar.org

जयंती विशेष

07 मई 2024

Teachers of Bihar

The Change Makers

आज का सुविचार

दोस्ती की गहराई परिचित की

लंबाई पर निर्भर नहीं करती।

रबीन्द्रनाथ टैगोर

(कवि)

जन्म: 07 मई 1861 मृत्यु: 07 अगस्त 1941

राकेश कुमार

www.teachersofbihar.org